Hindi Murli Quiz 29-10-2015

.

Q.1) **Q. मुरली को ध्यान में रखकर निम्नलिखित रिक्त स्थान भरें—--**
"बच्चे देही-अभिमानी बनो,-------रखो तो समझदार बनते जाओगे, बहुत फायदा होगा"

Q.2) **Q. निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत हैं ?**
"बेहद के नाटक को समझने वाले बच्चे यह नियम [लॉ] अच्छी रीति समझते हैं कि यह अविनाशी नाटक है,इसमें हर एक पार्टधारी को पार्ट बजाने अपने समय पर आना ही है । कोई कहे हम सदा शान्तिधाम में ही बैठ जायें–-तो यह लॉ नही है । उसे तो पार्टधारी ही नही कहेंगे ।"

A. सही
B. गलत

Q.3) **Q. शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही जोड़ें ------**

	Choice		Match
A	बेहद का बाप बच्चों को समझा रहे हैं,	1	फिर हम ही पुजारी बन बेसमझ बने हैं ।
B	बाप कहते हैं सब बच्चे बेसमझ हो पड़े हैं,	2	इस अन्तिम जन्म में फिर समझदार बनना है ।
C	आधा-कल्प लगा है बेसमझ बनने में,	3	देह-अभिमान में आकर ।
D	हम पूज्य थे तो समझदार थे,	4	समझाया उनको जाता है जो बेसमझ होते हैं ।

Q.4) **Q. "ऊंच ते ऊंच बाप आकरके समझाते हैं कि बच्चे अब पावन बनना है । उसके लिए बाप एक ही ------ देते हैं । कहते हैं कि योग से तुम भविष्य 21 जन्म निरोगी बन जायेंगे । तुम्हारे सब रोग, दुःख खत्म हो जायेंगे ।"**

निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें,

A. दवाई
B. आशीर्वाद
C. राय
D. श्रीमत

Q.5) **Q. केवल सही वाक्य ही चयन करें –-------**

A. शान्तिधाम को पावन दुनिया नहीं कहेंगे। स्वर्ग को ही पावन दुनिया कहेंगे।
B. सच्ची-सच्ची शान्ति तो वहाँ है जहाँ शरीर नहीं, उसको कहा जाता है शान्तिधाम।
C. पूज्य हैं नई दुनिया में, पुजारी हैं पुरानी दुनिया में। पतित को पूज्य, पावन को पुजारी कहा जाता है।
D. तुम जानते हो हम आत्मा शरीर सहित पावन थी। अभी 84 जन्मों के बाद शरीर सहित पतित बनी है।
E. नई दुनिया को सतोप्रधान,पुरानी को तमोप्रधान कहा जाता है।

Q.6) **Q."बाप तुम बच्चों को कितना सहज समझाते हैं, इसलिए कितनी खुशी होनी चाहिए। बाकी किसका कर्मभोग का हिसाब-किताब है, कुछ भी है, वह तो भोगना है, इसमें बाबा --------नहीं करते हैं।"**

निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें ।

A. आशीर्वाद
B. प्रेरणा
C. ,कृपा
D. छमा
E. मुक्त

Q.7) **Q. वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ------**

	Choice		Match
A	कहते हैं भगवान ने ज्ञान दिया था,	1	त्रिमूर्ति परमपिता परमात्मा शिव है।
B	आत्मा कहती है हम एक शरीर छोड़ दूसरा लेती हूँ।	2	आत्मा न समझने से बाप को भूल जाते हो।
C	अन्दर में यह घोटते रहो कि मैं आत्मा हूँ।	3	फिर भी हम अपने को आत्मा भूल देह-अभिमानी बन जाते हैं ।
D	तुमको सिद्ध करना है कि ज्ञान का सागर, पतित-पावन, सर्व का सद्गति दाता-	4	परन्तु कब दिया, किसने दिया, यह किसको पता नहीं है।
E	सिर्फ शिवजयन्ती नहीं है ।	5	परन्तु त्रिमूर्ति शिव जयन्ती है।

Q.8) **Q.धारणा पर आधारित सही वाक्य चयन करें ------**

A. यथार्थ रीति बाप को याद करने वा आत्म-अभिमानी बनने की मेहनत करनी है ।
B. सच्चाई से अपना चार्ट रखना है, इसमें ही बहुत-बहुत फायदा है ।
C. सबसे बड़ा दु:ख देने वाला कांटा काम विकार है, इस पर योगबल से विजय प्राप्त कर पतित से पावन बनना है।
D. अन्य किन्हीं भी बातों से तुम्हारा कनेक्शन नहीं होना ।
E. इस अंतिम जन्म में कर्मातीत बनना है ।

Q.9) **Q.वरदान पर आधारित निम्नलिखित वाक्य सही हैं अथवा गलत हैं ?**
"सेवाधारी अर्थात सर्व को उमंग-उत्साह का सहयोग देकर शक्तिशाली बनाने वाले। अभी समय कम है और रचना ज्यादा से ज्यादा आने वाली है।अभी तो बहुत संख्या बढ़नी है इसलिए आपने जो पालना ली है उसका रिटर्न दो। आने वाली निर्बल आत्माओं के सहयोगी बन उन्हें समर्थ, अचल अडोल बनाओ तब कहेंगे सच्चे सेवाधारी।"

A. सही
B. गलत

Q.10) **Q."--------- को जब, जहाँ और जैसे चाहो स्थित कर लो, यही रूहानी ड्रिल है।"**

निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे उपयुक्त शब्द से उपरोक्त रिक्त स्थान भरें

A. रूह
B. स्मृति
C. दृष्टि
D. मन